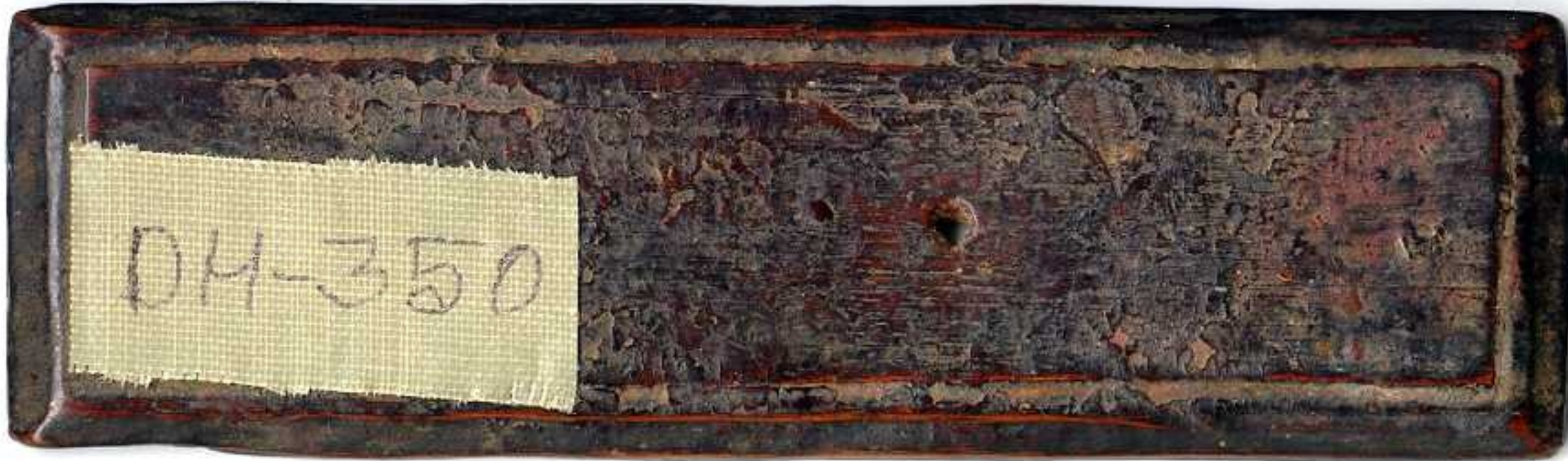




DH-350













मन्त्रा मन्त्रनाथाय॥ गायकध्वजश्रीमान्, दक्षिणदमकायैलोकविज  
यीवीवा, युष्माकं  
स्वल्पकमलाननाथी  
कोर्गगायतयेवल्लोकवद्धा निरिहः। दक्षिणदमकायैवीवेष्टीवीवि

नृनकायस्य महावीर्यस्य गीतमिन्द्राक्षीकृतं तत्त्वस्य ह्यमूलं ह्येव  
 ध्यायन्ति वाप्यमदानां ध्यायन्ति मन्त्रानि वा। आदिमध्यानका  
 ल्यादिनामर्तगीतम  
 नागकायस्य त्वन्नाथस्यैव दद्यात्। साधकपुनश्च नष्टानां मायाजालमहाकर्म



श्री

यावालिं संप्रगीर्यता महावक्रधनेष्टे नम्यये नैव धाविमिडा ॥ अहंवेधानमि  
धाम्या नियानिवदृडा ॥ १३ ॥ अथारुगैवाभ्यर्हनाथ सर्वसिद्धिद  
कृष्णका ॥ यकाज्ञयिष्य  
ज्ञानासाय ॥ अ (गोपी) हननहानन ॥ अथमध्ययुक्त्या वक्रयागिरिकेभ्यः

। कृगजितियगरुत्वा यककाय लिख्यगडा ॥ १३ ॥ अथधनारुनगमथा  
षाडगडा ॥ १४ ॥ अथमध्ययुक्त्या वक्रयागिरिकेभ्यः  
मानिन्नमयायगाह  
काना मप्रायणय (गोधनी) एता कृतास कवरी वक्रुमालालिगमन ॥ एता क



ॐ

माधवयत्या ख क्रमधनयागिना खल्लाधनगुच्छल्य वज्रपाणिमहावला

साधवज्रधनशीमानुस

कवधयान्विरु ॥ महा

हानकायस्य मनु (६) उतमय ॥ कलाधधनयाभव मूर्धनगुच्छकामि

पाकमममकाशमना कलाधधनवानिनि ॥ ६ ॥ पणिववनममथीषट्

॥ ॐ ॥ मथमम

याधवीकलीयवलाध

कलीमहनामहामजाकलीवारीमहापीवकलीमहना ॥ १ ॥ वधूलावला











श्री नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॥ महाभक्तिमयामया ॥ महाभक्तिमयामया ॥ महाभक्तिमयामया ॥  
 श्री ॥ महाभक्तिमयामया ॥ महाभक्तिमयामया ॥ महाभक्तिमयामया ॥  
 महाभक्तिमयामया ॥ महाभक्तिमयामया ॥ महाभक्तिमयामया ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



लमिगायाका दशया लमिगाया दशया वमिगा छुद्धि दशया वमिगानया दश  
 हमिस्वना ना (था दश) हमिस्वमिस्विका दश हनविष्णुभासा द  
 धनविष्णु धन ॥ दशका वा दशार्थ (था मनिद्धा दशवादि २  
 लु) म (दशविष्णु धन) दशका वा वही मदान् ॥ मनादिनिष्पत्त्या लुद्धा

लानधना लका हन वा विदयथा वादि नथका विमन न्यवा क ॥ मद्धथा दयवादि  
 व हन काटि द्यवास्विका निवा ल्यहि हनिर्नाद कनी (थ म गशी कन  
 ॥ सर्व (मद्मा द्यगमि लथ गम मना उवा डि भा डि गान विज वि  
 वका वरि मला वला गम मद्धा गम वाया ग (म गम यमि वही) मदान



हाथा जो दया मून चथा महानय ॥ वागी (भावा) कनिर्वाग्मी वावध्यनिवर्तनगी  
 ॥ सखवा सखवा दिवस ॥ दुर्लभा यदशक ॥ अविवाहकाना भानि स्व  
 श्री अयस्य कनायका नाना ॥ निर्यान निर्याना महारुणक कावना ॥ अर्द्धक्री  
 भाव वासिष्ठ वीरना ॥ अडि मल्लिया कमपा का ॥ सयया क गीगी रुझना ॥

विला ॥ विद्या ववध सयन ॥ सुगमाला कवित्य वा निर्ममानि वही काव ॥ सीख दयन  
 यस्मिन् ॥ सीसा वपा वपा ॥ टिल्लु क ग दयलु यस्मिन् ॥ केवल्य लान निवृ  
 नय लु स ला विदा वव ॥ ॥ सधर्मा धर्म वाहा ला ॥ ला का ला क वीय व ॥ ध  
 मस्थना धर्म वाहा ॥ श्यामा ॥ अयदशक ॥ सिद्धार्थ सिद्धि र्फल्य ॥ सर्वसक ल्यवर्जि



शी

नानिर्विकल्पाश्च कथा धातु धर्म धातु पञ्च यः ॥ पञ्चवान् पञ्चसंज्ञा नाना क  
नमरुतु ॥ ह्यनवासादह ॥ ह्यनिसंज्ञा नाना यसंज्ञा न ॥ साध्या विध्वन  
यागी ध्यान ध्यायिनी ॥ यगि यत्ना लवे य यव यवमा यत्तु काय १०  
धृक् ॥ यव काया ल का व द्याप व ह्य नाल का विदु ॥ यव व द्या ल मी कट यव

ह्यनसंग धृक् ॥ जनक सर्ववद्वानि व द्य पञ्च यञ्च ववा य ह्य रु वार वा यानि  
धर्म धानि र्वा न कृत् ॥ ॥ घने कसा न व द्या ल स ध्या ज्ञा ज गत्यनि  
गगनाद् व स्वयं रु ॥ य ह्य ह्य नान नाम ह्य न ॥ य व व नाम ह्यादि  
दि ह्य न ज्ञानि विना वना ज गत्य दी वा ह्य ना का म ह्य न ज्ञा य हा स्वना







कोरु द्रुजा माया वज्राम हादल ॥ कलि (ॐ) वज्र थानि वज्रभा (ॐ) नराय  
 मा मय नैक उजगाया ॥ गजवर्म यगा क धृ कू ॥ हाहा का नाम हा  
 श्री श्री हा हा वरुयान ॥ कडा मृद हा (ॐ) म हा हा (ॐ) वज्र हा सोम १२  
 हा नव ॥ वज्र सख म हा सख वज्र गाजा म हा सखा वज्र वीज म हा माधा व

ऊहं का व हं कृमि ॥ वज्र वा नाय ध ध ध वज्र मव ऊ नि कृ ग न वि द्य वज्रा ध ध  
 वज्रि ॥ क वज्रा व न ड ॥ हा वज्र हा ला का ग ला का वज्र हा ल नि  
 ना व हा वज्रा व (ॐ) म हा ॥ व (ॐ) हा का वज्र वा व न ॥ वज्र नामी क  
 लगन वज्र नामे क विग्रहा वज्र का टिन म्वा री हा वज्र हा व द न हू वि ॥ वज्र



माता धनहीनान् वदन्तु वल्लभिणा दादादुःखानि ध्यायि वदन्तु ध्याय  
 वदन्तु व॥ नरु ध्याय मरुताद लु लोके क व धा मरुता न आ काश  
 धी धातु यय का ध्या वा धा ववगीवव॥ १० ॥ अदर्श न गम्य ११  
 यादा न सा ईद द ॥ ६:०:६ ॥ गथगा कृम मेवा ल्य रु म काटि वन कृवा १२

अगावादि वृष शा र्गी नी वादा वगर्जन ॥ धर्म ईश्वर मरुता ज द्या धर्म ग छी मरुता  
 ना अय नि लि न नि वा (अ द ईदि ग्य म दि न्द्र सि ४ ॥ अ य धा वृ य वा  
 न (अ नाना व याम नाम या सर्व व या वरा म छी व (अ व य नि वि व धृ  
 ॥ अ य धृ था म रु म अ धा धातु क म रु ध व स म र्छि ना य मार्ग ल्ळ धर्म क रु



महादया॥ जे लाके कक मानांग लुवी नृवृक्ष यजायणि। दार्ष्टिं शलक वधव  
 ७१। जानक ले लाक सुन्दरा॥ लाक छे नागु भावार्थ। लाका यार्थ वि शमदव  
 १४। नाथ काख कि लाकान। शवर्धनायी निरुवा गगना राग री राग स  
 वरु छे नरागव॥ श्रविद्या छे का री राग। रवर्धन लदा वना। शमिना (शव

सँ क्लेश सँ सा वा र्धव या वगा। नाना रिषक मृग सम्यक् वृद्ध रु वना॥ शिदृष्टव  
 दृष्टव समग्न। लाको न। कलि मकि गा सव विव वनिर्मक। आ काश  
 समगी गग॥ सर्व क्लेश म। नागि ब। ला ध्या ना ध्य गी गग॥ सर्व सत्त्व म  
 ना (गम) छे वस्य श्रव (श्रव)॥ सर्व विधि विनिर्मक। थाम व ल वि लुकि गा मरु



विनामविधवसर्वत्रलोकभाविदुः॥ महाकल्पमदीतीनामहारुदयभाह  
 मसर्वसत्त्वार्थकल्पा  
 श्री गुरु समयकृत समय  
 यकाविद॥ गुरुविदुः धर्मकृत युगलामेगलादया सर्वमंगलमंगल्यक

किलक्रीयज्ञगुरुमहासर्वमहाध्यासा महानिधामहावगिराकावसरुमि  
 रूकित्यमादहीयहीय  
 रुमामहारुयानियवत्र  
 लाउटिमोष्टिकिनिदिमान् यैवाननयवहीय यैववीनका (सम्यक्) महाव



तथैवार्थी बुद्धवादिबुद्धाहम् । महान्यायनिष्ठ स्तान्ता (गोमभाषणी) ॥  
 बुद्धविद्वाक्त्वा (ए) बुद्धा ॥ बुद्धनिर्वाणमाकवान् । म किं भा क्ता विमा ॥  
 श्री क्ता (गो) विम किं भा क्ता ॥ विवा निर्वानि वृत्तिर्भा क्ति (ह) यानि र्वा ॥ १३  
 मन्त्रकास्य द ४ आन क्ता निष्का वेना (गमय) विष्कया ॥ अजया इत्युभा द्वा क्ता

निवासात्तानि नैव न निष्क व सर्व (ग) यानि द्वा क्ता विष्कमना द्वा ॥ अजया विष्क  
 विष्का वाक्ता क्ता यानि वा ॥ मया ॥ अय व द्वा विव द्वा ला सर्वरु सर्ववित्त  
 वा विष्क न धर्मका की ना ॥ ह्ना नम द्वा य द्वा क्ता निर्वि क ल्या निवा साः  
 (ग) क्ता धर्मा व द्वा काय क्ता ॥ अनादि नि धना व द्वा आदि व द्वा निर्व धया क्ता नैव



वक्रवर्मना नमस्कि कथागण ॥ यो गीश्वरामदावादिवादिना द्वादशिय न जीवद  
 गीवना वनिष्ठा वादिभिः लायना छिन्न ॥ समीपद जीयाभाय कृष्णामा  
 निसुदर्शना श्री वल्लभस्य सादिकी ताता सुवक वद्यनि ॥ महाशिव ११  
 ग्यन (छ) ष्ट ज्ञान्य ह कानि न कृत्वा न (छ) वर वद्यन व कृत्वा धिमत हानिप

॥ जला कृत्वा निलका काग्री श्रीमान् कृत्वा मलुला ददादि रम्यमान पर्यन्त धर्म कृष्णाम  
 दा कृत्वा ॥ जगत् कृत्वा विपत्त्य मेही कृत्वा मलुला चक्रान्त रु श्ववर्ग  
 मान्त्र तत् कृष्णामहा विष्णु ॥ सर्ववत्सल नाजा सर्ववत्सल कृष्ण  
 र्ना वक्रवत्सल विष्णु कृष्ण सर्ववत्सल विष्णु सर्वला कृष्ण वयनि सर्वव



अधवाधिया सर्ववच्चमहाविष्णु सर्ववच्चमनागणि सर्ववच्चमहाकाय सर्व  
 वच्चमनस्वनि॥ वज्रसू  
 श्री दिमहा वाग्म विष्णु  
 र्मगीर्निधमधुका वच्चयन्महवक्षीमान् सर्वरुहानकाजधुका॥ विष्णु

मायाधवावाजा वच्चविद्याधवामहान् वज्रगीष्ममहावच्च विष्णुचय  
 वमाक्रवा॥ ५४ मयच्छुद  
 गीरीय वज्रवक्ष्ययथा  
 यथा विष्णुचधर्मनेनाल्यैरुहानकद्रुत्यर॥ मायाजात्मनोधाग सर्वगणि







मत्तुके कालान्ननिपदयहान्। वि० ६० गवधनहीमान्। वीनविरुल्लयक॥ वाहु  
 दकक्षणाकृत्येयदनिक्त॥ यनरुनाहीवकुण्डलुकास॥ (ग) गगनास  
 धी गनरुना॥ एकपादगव  
 कान्कमहिमलुल्लिङ्ग। वक्तालुल्लिङ्गवना  
 कान्कपादीकुण्डनवलिङ्ग॥ एकार्थदयधर्मार्थयवमा॥ विनद्वनानानावि

रुफिदूयार्थस्त्रिरुविहानतीगणि॥ म॥ (श) वरावार्थवनि॥ दूयार्थववयधी॥ रु  
 वनागमद्यमीगस्थरुव  
 ल्यासस्यरु। वालाकन  
 यस्यिनामहानीलकवायधृकुमहामहिमययधी॥ वच्चनिर्माहस्येष्टा॥



लाकधुसगाफीजिअद्वियादयनाकमानलालुनिधवल्लवस्वदुल्लगिसमा  
 धिनाया॥ वाध्वंगकस माभादल्लधगकलु (भादधिमस्वगिसा  
 गनयविगुसम्यक्कवच्च मार्गविगु॥ सर्वस्वनलामं (मनःसंम  
 गगनायमासर्वस्वमनायागसर्वस्वमभाजवा॥ सर्वस्वदियार्थरु सर्व

सत्वमनावापवस्कीधार्थगल्लयवल्दयविगुचधुक्॥ सर्वनिर्याणकाटिल्ल  
 सर्वनिर्याणकाविदशास वनिर्याणमीगल्ल सर्वनिर्याणदक्षक॥ दा  
 दक्षगर्हवाश्वनादाद श्मकानलुचधुक्॥ वल्लुसत्यनयाकान  
 म्मल्लनाववाधधुक्॥ दादक्षकावस्यार्थधाउश्मकानल्लविगुवि



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्वविघ्नो ह्यस्य सर्वविघ्नो ह्यस्य ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्वविघ्नो ह्यस्य सर्वविघ्नो ह्यस्य ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्वविघ्नो ह्यस्य सर्वविघ्नो ह्यस्य ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्वविघ्नो ह्यस्य सर्वविघ्नो ह्यस्य ॥

गङ्गा नदी निलग ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ सर्वविघ्नो ह्यस्य सर्वविघ्नो ह्यस्य ॥  
 मन्त्रान् सर्वतत्त्वमना वि ॥ सर्वविघ्नो ह्यस्य सर्वविघ्नो ह्यस्य ॥  
 रुद्रिहस्तमना धृत्वा सर्वतत्त्वमना वि ॥ सर्वविघ्नो ह्यस्य सर्वविघ्नो ह्यस्य ॥



श्री

पना सर्वरानिविवर्जितानि ॥ १४ ॥ सीधिव मगिर्यर्थ सर्वार्थसिद्धिगुणालका ॥ सर्वार्थ  
कार्यसिद्धि का न सर्वकृष्ण विरावका ॥ एककृष्णशितिवच्च सर्ववच्चः  
स्वराधृक् ॥ न नमका यकायायु कायकाटिविरावका ॥ १५ ॥  
पदयस्यदी नत्तककुनहामणि ॥ १६ ॥ समका हानमध्वीवदुर्विज्ञ

मि ॥ १७ ॥ सर्वसर्वचथाधथा वच्च वाधिवनरुवा मयनक वामयथानिम  
लामनुकलयय ॥ सर्वम कार्थजनका मरुविन्दननक वार्यवाकना  
मरुगुन्य विन्दनन्यक कृवा ॥ सर्वाकावनिवाकाव वादका च वि  
न्दधृक् ॥ कावठकवनानिग वदुथध्यानकाटिधृक् ॥ सर्वध्यानका वारिरु स



ॐ

माधिकूल (अथ विनासमाधिकायकाया) सर्वसंसागका नागं॥ निर्माधिकायका  
या (अथ) वच्च निर्माधिवेश  
थकृन्॥ दवीकि दवध  
न यमर्थयम (अथ) वनध॥ उनी धूरवकाकाव एक क्षराजगदुन॥ यथागिदि

लोक धर्मदानयुक्तिमदान॥ भेगी सन्नाह संनच्च कत्रधवर्मवर्मिगा यद्वायक  
धनवाध कुलक्षानानवा  
कका सर्वमात्रवमयमा  
ध्वमाननियवनिखसा अर्धनीयगमाता (अथ) नमस्यपवमागुवध॥ उलाक







लुग॥ वच्च नागनमस्तु वच्च कायनमानमस्तु वच्च यीनिनमस्तु वच्च मा  
 दनमानमस्तु॥ वच्च स्मिन्नमस्तु वच्च हासनमानमस्तु वच्च वासन  
 मस्तु वच्च शवनमानमस्तु वच्च रुवनमस्तु वच्च नमस्तु वच्च १३  
 सीरवागगभावनमस्तु वच्च नमस्तु वच्च नसीरवा॥ मायाजालनमस्तु वच्च न

मस्तु वच्च नागकानमस्तु सर्वसर्वथा स्तनकायनमास्तु ग॥ ७ ॥  
 ॐ निर्विकलथागस्तु निगमार्थीय॥ ॐ सर्वधर्माणां  
 स्वरावविशुद्धवद निगमार्थीय॥ ॐ सर्वधर्माणां  
 यद्गसर्वगथागस्तु नकायनमस्तु वच्च निगमार्थीय॥ ॐ सर्वधर्माणां



सर्वमथागमरुदयहवरुनकुं हूं डी रगवान्मनमूर्तिवागीश्वरमहाबाव  
 सर्वधर्मागमनामवस्तुव निरुच्चधर्मधाम्मनगर्हमाडा ॥ १ ॥  
 श्री ॥ मंत्रविन्यासा ॥ ॥ मयवकाधवशीमान् रुद्ररुद्रका  
 गजिलिखधम्यनाथतैवर्ची रगवर्कमथागम ॥ मयवद्रविधिनाथैरुद्रका

नावकायाधिरिष्ठसंसाधकाधवाजानेधावाववेनिदिवया ॥ मयमादामहना  
 र्थसाधसाधसाधसाधिका रुमासाकीमहानार्थसम्यक्साधिसाधक  
 ॥ जगदध्यायनाथस्य विमकिरुलकाकिरा ॥ यथासागमविद्रु  
 द्वायसायाजालनयादिना ॥ गीरीवादाववेय्यमहा ॥ जगदर्थरुद्रावज्ञा







शी

नमः गतसहाय नमः ॥ ४ ॥ हात्र हात्र यात्रायात्रा सुमु  
नविवात्र सम्यक् विरुद्रसंभूतं हात्र साय ॥  
काकवलिगाव विद्रासि ययगमनरासिग ॥  
वामानवति वसन्तु दानोर्वनकनवज्यक नमसास

२२

पं० समनिच यिम्  
ना धयुगानठ  
सुकेवानेसादि  
वनाज ॥

पिपनि सुनि हि ३३ काका  
दि यनदतदि हि हाज  
नसूथश्म वनक ॥ यन  
सं० उकाव सिमनस मन



पि. पु. चान. ह  
नवचि. हि. ह  
नक. म. न. क.

मन. ध. हा. मान. व. चि. सा. ख.  
डा. म. ह. द. ह. स. र. ना. या. डा. ना.  
विया. ना. डा. ॥

३०



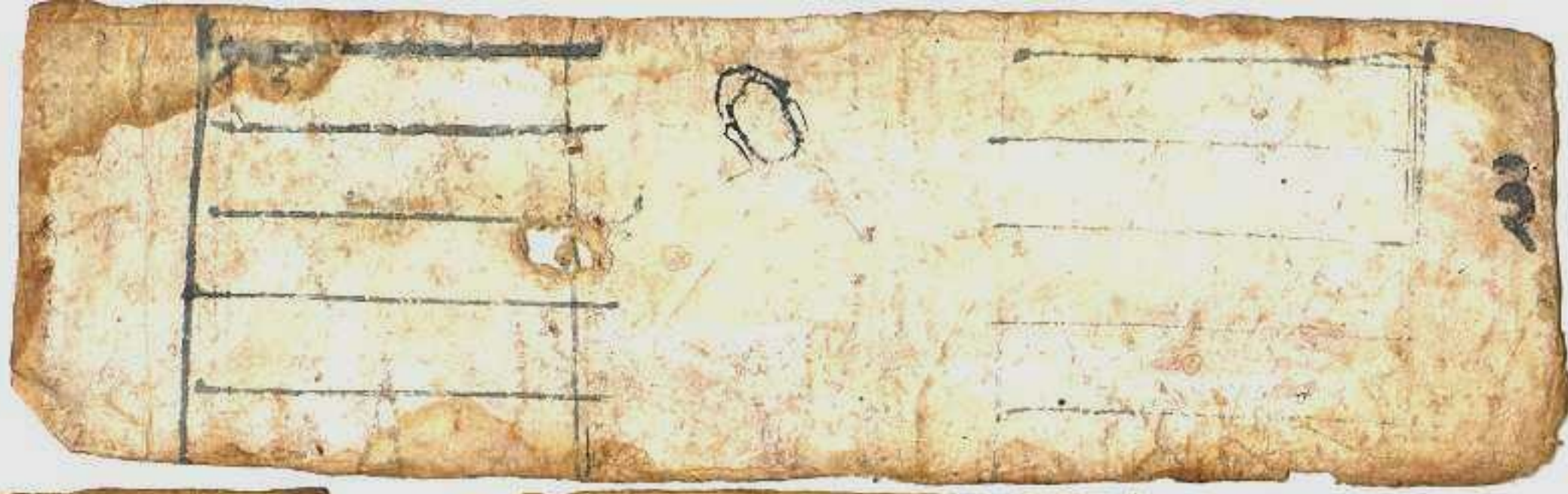




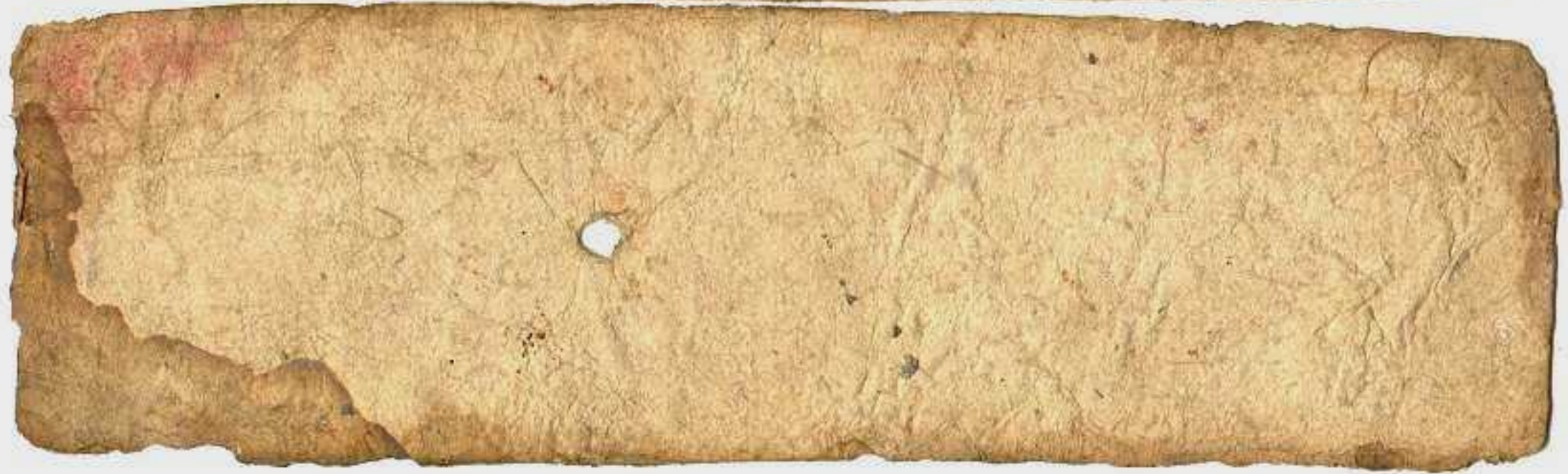
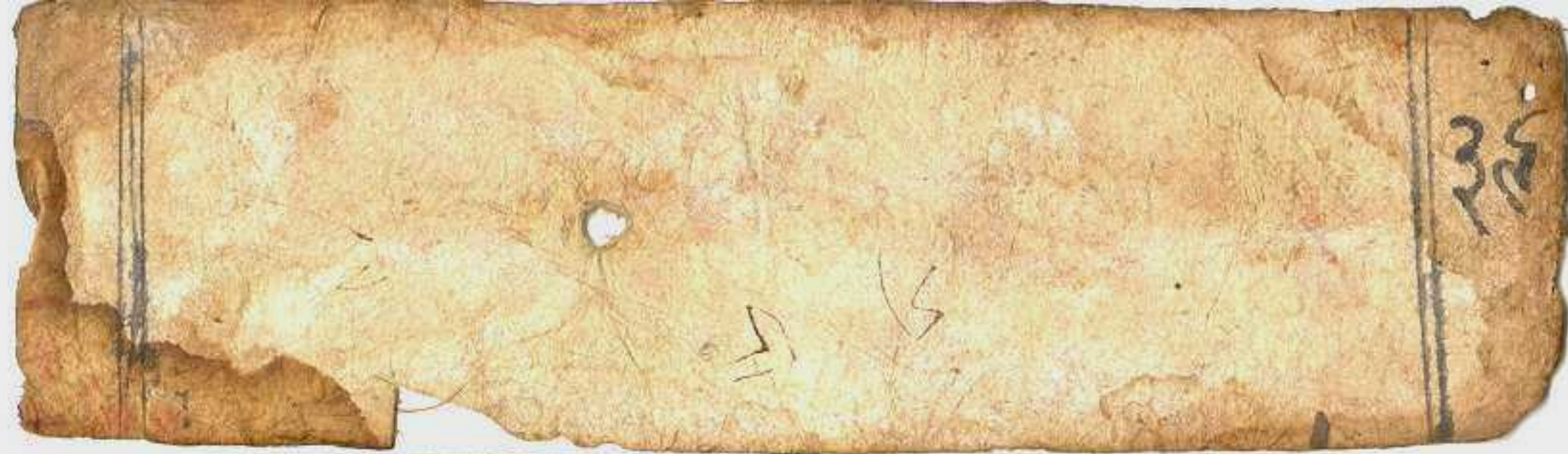














24



